यू रोओ न साहब, न रुलाया करो..

पटना | सृजन संगति की ओर से साहित्यकार डॉ. भोला प्रसाद सिंह के स्मृति दिवस पर श्रद्धांजलि सभा और काव्य गोष्ठी का आयोजन अवर अभियंता संघ में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन हिंदी प्रगति समिति के अध्यक्ष सत्यनारायण ने किया। प्रो. रमेश पाठक ने धर्म, भाषा, सीमाओं की परिधि लांघ, प्रेम का भाव, अपना सच, अपनी कथा कह गया..., ने अपनी कविता से भोला प्रसाद सिंह को याद किया। लता प्रासर ने, यू रोओ न साहब न रुलाया करो, लोग हंसने लगे हैं ये समझा करो..., कविता से प्रेम की परिभाषा को बताया तो लोग भावुक हो उठे। इसके बाद ऋतु राज पूजा ने कैसे चुकाऊंगा कर्ज उस पिता का इस जन्म में, जिन्होंने मेरे भविष्य की सुनहरी तस्वीर बनाई है..., पंक्ति में एक पुत्र अपने पिता को याद करता है। उसे उन्होंने इस पंक्ति के माध्यम से बताया। इस मौके पर अध्यक्ष डॉ. महेश नागेन्द्र, कवि घमंडीराम, कवि राजकुमार प्रेमी, कवि विजयगुंजन और कवयित्री ज्योति स्पर्श और ऋषिकेश पाठक मौजूद थे।